ഗുണനിലവാരമുള്ള വിദ്യാഭ്യാസം
കുട്ടികളുടെ അവകാശം
QEPR

तैयारी

हिंदी

२००९-२०१०

പൊതുവിദ്യാഭ്യാസ വകുപ്പ്, കേരളം

ആമുഖം

മികച്ച വിജയത്തിലേക്ക്

തെരഞ്ഞെടുക്കപ്പെട്ട വിദ്യാലയങ്ങളിൽ 2006ൽ ആരംഭിച്ച **ഗുണമേന്മയുള്ള വിദ്യാഭ്യാസം കുട്ടികളുടെ അവകാശം (QEPR)** പദ്ധതി അതിന്റെ ലക്ഷ്യം നേടിക്കൊണ്ട് മുന്നേറുകയാണ്. അക്കാദമികവും ഭൗതികവുമായ തലങ്ങളിൽ നിരവധി മുന്നേറ്റങ്ങൾ കൈവരിക്കുവാൻ വിദ്യാലയങ്ങൾക്ക് കഴിഞ്ഞിട്ടുണ്ട്. 2009ലെ എസ്.എസ്.എൽ,സി പരീക്ഷയിൽ 25 വിദ്യാലയങ്ങൾ 100% കരസ്ഥമാക്കി. 80%ത്തിലേറെ വിദ്യാലയങ്ങളും 80%ത്തിലേറെ വിജയം നേടുകയുണ്ടായി. ഈ വിജയം നമുക്ക് മെച്ചപ്പെടുത്തേണ്ടതുണ്ട്. കേവല വിജയമല്ല മറിച്ച് മുഴുവൻ വിദ്യാർത്ഥികളെയും സി+ ന് മുകളിൽ എത്തിക്കുക എന്ന ലക്ഷ്യമാണ് നമ്മൾ ആഗ്രഹിക്കുന്നത്. ഈ ലക്ഷ്യം മുന്നിൽ കണ്ടുകൊണ്ട് ഒട്ടേറെ പ്രവർത്തനങ്ങൾ ആവിഷ്കരിച്ചു നടപ്പാക്കി വരുകയാണ്. (കൗൺസലിംഗ്, മെഡിക്കൽ ക്യാമ്പുകൾ, സഹവാസക്യാമ്പുകൾ, അന്വേഷണാത്മക പ്രവർത്തനങ്ങൾ തുടങ്ങിയവ)

മികച്ച വിജയം ലക്ഷ്യമാക്കി 2010 ജനുവരി 26 മുതൽ എല്ലാ ക്യൂ.ഇ.പി.ആർ വിദ്യാലയങ്ങളിലും പ്രത്യേക ക്യാമ്പുകൾ നടത്തുവാൻ തീരുമാനിച്ചിട്ടുണ്ട്. ഈ പരിപാടിയുടെ കാര്യക്ഷമമായ നടത്തിപ്പിന് വേണ്ടിയാണ് **ഒരുക്കം** എന്ന പഠനസഹായി തയ്യാറാക്കിയിട്ടുള്ളത്. സർഗ്ഗാത്മകമായ പുനരനുഭവപ്രവർത്തനങ്ങൾ, മൂല്യനിർണയപ്രവർത്തനങ്ങൾ, അവയുടെ വിശകലനം എന്നിവ ഉൾക്കൊള്ളുന്ന **ഒരുക്കം** കുട്ടികളെ പരീക്ഷയ്ക്ക് സജ്ജരാക്കുന്നതിന് വേണ്ടി പ്രയോജനപ്പെടുത്തേണ്ടതാണ്.

വിദ്യാർത്ഥികൾ, രക്ഷിതാക്കൾ, പ്രാദേശിക ഭരണകൂടങ്ങൾ, വിദ്യാഭ്യാസ പ്രവർത്തകർ തുടങ്ങിയവരുടെ കൂട്ടായ പരിശ്രമത്തിലൂടെ 2009 – 10 വർഷം ഗുണനിലവാരത്തോടെ മികച്ച വിജയം നേടിയെടുക്കാനുള്ള വർഷമായി മാറട്ടെ എന്നും മികച്ച വിജയം നേടാൻ എല്ലാ വിദ്യാലയങ്ങൾക്കും കഴിയട്ടെ എന്നും ആശംസിച്ചുകൊണ്ട്

വിജയാശംസകളോടെ

എ.പി.എം.മുഹമ്മദ് ഹനീഷ് ഐ.എ.എസ്
പൊതു വിദ്യാഭ്യാസ ഡയറക്ടർ

भूमिका

यह 'तैयारी' का चौथा सोपान है। इसमें छह मुख्य प्रोक्तियों से संबंधित गतिविधियाँ हैं। इन गतिविधियों के दौरान यह आशा की जाती है कि बच्चों को पाठ्यवस्तु से गुज़रने का अवसर मिले और उक्त प्रोक्तियों की जो विशेषताएँ हैं वे भी समझ सकें। ताकि परीक्षा में ऐसी प्रोक्तियों के निर्माण में सहायता मिलें।

यहाँ दी गई प्रोक्तियाँ हैं--

- वार्तालाप
- पत्र
- डायरी
- कहानी
- निबंध
- साक्षात्कार

इन प्रोक्तियों से संबंधित गतिविधियाँ छह मोड्यूलों के रूप में प्रस्तुत हैं। हिंदी के लिए ढेड़ घंटों के छह सत्र हैं। प्रत्येक सत्र में एक-एक प्रोक्ति पर गतिविधियाँ चलाएँ। आप इनके के लिए आवश्यक सामग्रियों की पूर्व तैयारी करें ताकि सत्र का संचालन सुचारू रूप से संपन्न हो। इस पुस्तिका के साथ ही गत वर्षों की 'तैयारी' जैसी सामग्रियों का भी लाभ उठाएँ। जिन प्रोक्तियों की चर्चा इस पुस्तिका में नहीं की गई हैं, जैसे, पारिभाषिक शब्दावली, उद्घोषणा, पोस्टर, रपट, आत्मकथांश..., उनकी चर्चा भी कक्षा में ज़रूर हो। इसके लिए कुछ और समय निकालने की कोशिश करें।

सत्र-संचालन के लिए आवश्यक वर्कशीट, चार्ट तथा अन्य सामग्रियाँ वैयक्तिक या दल के कार्य के लिए पहले ही तैयार करके रखें।

आशा है इन प्रक्रियाओं के दौरान बच्चे परीक्षा में सफल बनेंगे साथ ही साथ व्यावहारिक जीवन में भी हिंदी का प्रयोग कर सकेंगे।

हार्दिक शुभकामनाएँ।

1. वार्तालाप

इस अनुच्छेद के आधार पर निम्नांकित वर्कशीट की पूर्ति करने का निर्देश दें।

द्वितीय विश्व युद्ध का पहला असर यह हुआ कि रामेश्वरम स्टेशन पर गाड़ियों का रुकना बंद कर दिया गया। ऐसी स्थिति में रामेश्वरम और धनुषकोटी के बीच रामेश्वरम रोड़ पर अखबारों के बंडल चलती ट्रेन से नीचे गिरा दिए जाते थे। तब शमसुद्दीन को अखबारों के बंडल उठाकर एकत्र करने के लिए एक कुशल मददगार की ज़रूरत पड़ी। मैं स्वाभाविक रूप से उनका मददगार बन गया।

इस वार्तालाप को आगे बढ़ाएँ

शमसुद्दीन : बेटा कलाम, मेरा कुछ मदद करोगे?

कलाम : मदद! किस काम में?

..... : .....

..... : .....

..... : .....

..... : .....

- वैयक्तिक रूप से लिखने का पर्याप्त समय दें।
- निम्नांकित वार्तालाप (नंबर 1) चार्ट पर प्रस्तुत करें और पढ़ने का अवसर दें।

नंबर - 1

पड़ोसी : मुल्ला जी, आप क्या ढूँढ़ रहे हैं?

मुल्ला : मैं अपनी चाबियाँ ढूँढ़ रहा हूँ।

पड़ोसी : आपकी चाबी कहाँ खोई थी?

मुल्ला : मेरी चाबियाँ घर पर खोई थी।

पड़ोसी : तो आप यहाँ क्यों ढूँढ़ रहे हैं?

मुल्ला : मैं यहाँ इसलिए ढूँढ़ रहा हूँ कि यहाँ रोशनी है।

- फिर दूसरा वार्तालाप (नंबर 2) पढ़ने का मौका दें।

नंबर - 2

पड़ोसी : मुल्ला जी, क्या ढूँढ़ रहे हैं?
मुल्ला : मेरी चाबियाँ।
पड़ोसी : चाबी कहाँ खोई थी?
मुल्ला : घर पर।
पड़ोसी : तो यहाँ क्यों ढूँढ़ रहे हैं?
मुल्ला : यहाँ तो रोशनी है।

➢ दोनों का विश्लेषण करने के लिए निम्नांकित प्रश्न करें--

- इनमें से कौन-सा वार्तालाप ज्यादा उचित लगा?
- इनमें से कौन-सा अधिक स्वाभाविक है?
- पहले को आप उचित क्यों नहीं मानते हैं?
- किसकी भाषा स्वाभाविक वार्तालाप शैली में है?
- आप इसे क्यों स्वाभाविक मानते हैं?
- तो वार्तालाप लिखते समय किन-किन बातों पर ध्यान देना है?

➢ चर्चा के द्वारा वार्तालाप के मूल्यांकन सूचक बच्चों से ही निकालें।

- भाषा सरल, स्वाभाविक एवं प्रसंगानुकूल हो।
- वार्तालाप की शैली हो।(पूर्ण वाक्यों की ही ज़रूरत नहीं, विचार विनियम योग्य वाक्यांश या शब्दों का भी प्रयोग कर सकते हैं)

➢ प्राप्त अनुभव के आधार पर शमसुद्दीन और कलाम के बीच का वार्तालाप परिमार्जन करके लिखने का मौका दें।

- प्रत्येक छात्र अपने वार्तालाप को साथियों में हस्तांतरण करें।
- निकाले गए मूल्यांकन सूचकों के आधार पर अपने-अपने

साथियों के वार्तालाप का मूल्यांकन करने का निर्देश दें।

- बच्चों के पाँच-पाँच सदस्यों के दल बनाएँ।
- बच्चे दल में अपने-अपने वार्तालाप पेश करें।
- सबके आशयों को जोड़कर दल की ओर से एक-एक वार्तालाप तैयार करें।

प्रत्येक दल प्रस्तुत करें।

➢ टीचर वेर्शन चार्ट पर लिखकर प्रस्तुत करें।

टीचरवेर्शन

शमसुद्दीन	: बेटा, मेरा कुछ मदद करोगे?
कलाम	: मदद! किस काम में?
शमसुद्दीन	: अखबारों के बंडल एकत्र करने में।
कलाम	: कहाँ से?
शमसुद्दीन	: रामेश्वरम रोड़ से।
कलाम	: वहाँ कैसे?
शमसुद्दीन	: गाड़ी से गिरा दिया जाएगा।
कलाम	: मुझे कुछ इनाम दोगे?
शमसुद्दीन	: ज़रूर।
कलाम	: तो चलें।

- किसी एक दल की उपज पर संशोधन-कार्य चलाएँ।
- बाकी दलों की उपजों को दलों में हस्तांतरण करके संशोधन करने दें।

➢ वार्तालाप तैयार करने लायक अन्य प्रसंगों को प्रदत्त कार्य के रूप में दें। जैसे :-

➲ कलाम और माँ के बीच का वार्तालाप।

- केले का पत्ता बिछाना
- रसोई में नीचे बैठना
- चावल, सांबार और ताज़ा चटनी

- शुक्रिया अदा करने आए आदमी और ज़ैनुलाब्दीन के बीच का वार्तालाप।
  - बीमारों पिलाने के लिए पानी ले जाना
  - बीमारी दूर होना
  - शुक्रिया अदा करना
  - दयावान अल्लाह को शुक्रिया अदा करने को कहना
- स्कूल से उदास वापस आए रामानंद शास्त्री और पिता के बीच का वार्तालाप।
  - रामानंद का उदास चेहरा
  - पिताजी द्वारा कारण पूछना
  - स्कूल की घटनाएँ
  - नए शिक्षक को बुलवाना
- चोरी की तलाश में आए पुलिस और माया के बीच का वार्तालाप।
  - बालकराम शास्त्री के घर में चोरी
  - हार का नष्ट होना
  - पड़ोसिन का हार
  - चोर का खपरैल पर से उतरना
  - परछाई देखना
  - अन्य चीज़ें सुरक्षित-
- माया और पड़ोसिन के बीच का वार्तालाप।
  - हार की चोरी होना
  - चोर का खपरैल पर से आना
  - अन्य चीज़ें सुरक्षित
  - हार बनवा देने का वादा

- मेघालय की यात्रा के संबंध में प्रदीप पंत और मित्र के बीच का वार्तालाप।
  - मेघालय की प्राकृतिक विशेषताएँ
  - लोगों के संबंध में विचार
  - पारिवारिक विशेषताएँ
- नोहशंगथियांग प्रपात के बारे में प्रदीप पंत और मित्र के बीच का वार्तालाप।
  - मासमाई प्रपात
  - सैकड़ों फुट नीचे पानी का गिरना
  - बंगलादेश की ओर चला जाना
  - पानी में डूबा हुआ-सा बंगलादेश का भू-भाग

2.अनुवाद तथा पत्र

दिलीप का यह यात्राविवरण बच्चों को दें और अनुबद्ध कार्य करने का निर्देश दें

बस में सवार हो मैं अपने मित्र बसंत के घर जा रहा हूँ। लंदन छोड़े एक घंटा हो गया है। ग्रामीण नज़ारा शुरू होने का इंतज़ार है। सड़क की दोनों ओर सफ़ाई से कटे घास, फूलों की क्यारियाँ और फुटपाथ दिखाई दे रहे हैं। लंदन भी कुछ ऐसा ही लगता था। भीड़भाड़ ज़रा भी नहीं, जबकि वह दुनिया के चार बड़े महानगरों में से एक है।

- **इस अनुच्छेद का मातृभाषा में अनुवाद करें।**
  - वैयक्तिक लेखन का अवसर दें।
  - अपने साथियों में हस्तांतरण करने दें।
  - अनुवाद के मूल्यांकन बिंदुओं पर चर्चा चलाएँ और बिंदुओं को श्यामपट पर सूचीबद्ध करें।
    - स्रोत भाषा का आशय समझा है
    - लक्ष्य-भाषा की शैली है
  - बिंदुओं के आधार पर स्कोर देने को कहें।
  - टीचरवेर्शन प्रस्तुत करें।
  - परिमार्जन करने का अवसर दें।
- यह प्रश्न आप चार्ट पर लिखें--

मान लें, यात्रा के अनुभवों के बारे में दिलीप ने अपने मित्र अनूप के नाम पत्र लिखा। अनूप के नाम दिलीप का पत्र तैयार करें।

- उपर्युक्त अनुच्छेद के आधार पर ही यह कार्य करने का निर्देश दें।
- बच्चे वैयक्तिक रूप से लिखें।

•आप यह स्वनिर्धारण प्रपत्र चार्ट पर प्रस्तुत करें।

(सही या गलत का चिह्न लगाएँ)

- मैंने स्थान और तारीख लिखे हैं ☐
- उचित संबोधन लिखा है ☐
- दिए गए सूचकों को पत्र की शैली में विकसित किया है ☐
- स्वनिर्देश लिखा है ☐
- लिखने वाले का नाम व हस्ताक्षर लिखे हैं ☐
- 'सेवा में' लिखा है ☐
- कल्पना-शक्ति का उपयोग कर पत्र को आकर्षक बनाया है ☐

- स्वनिर्धारण के आधार पर परिमार्जन करने का अवसर दें।
- पाँच-पाँच सदस्यों के दल बनाएँ और दलों में विचार-विनिमय होने दें।
- दलों द्वारा पत्र तैयार करके प्रस्तुतीकरण करवाएँ।
- टीचर वेर्शन प्रस्तुत करें।
- संशोधन कार्य चलाएँ।

➢ **पत्र लेखन संबंधी उचित प्रसंगों पर चर्चा चलाएँ और प्रदत्त कार्य दें।**

- ➲ राष्ट्रपति होने पर, शिवसुब्रह्मण्यम अय्यर के नाम कलाम का पत्र।
- ➲ अपनी यात्रा के बारे में निर्झर का पर्वत के नाम पत्र।
- ➲ क्रोध से बचने का उपाय बताते हुए अपने मित्र का नाम पत्र।
- ➲ लखनऊ आने की असमर्थता बताते हुए रमेश के नाम मोहनराकेश का पत्र।
- ➲ माईती बाज़ार की विशेषताएँ बताते हुए मित्र के नाम प्रदीप पंत का पत्र।

3.डायरी

यह वर्कशीट बच्चों को दें–

यह अनुच्छेद पढ़ें और अनुबद्ध प्रश्न का उत्तर लिखें

मैं जब भी गुवाहटी जाता हूँ, ब्रह्मपुत्र के किनारे वाली सड़कों पर सुबह की सैर करता हूँ। इस साल अप्रैल के महीने में मैं तीन-चार दिनों के लिए गुवाहटी में था। जिस हॉटल में मैं ठहरता था वह ब्रह्मपुत्र के किनारे ही है। जब भी देखो, खिड़की से कोई न कोई आकर्षक दृश्य नज़र आ जाता था। एक रात तेज़ बारिश आई। हवा भी खूब तेज़ थी। रह-रहकर बिजली चमकती थी। पेड़ों पर हवा के सांय-सांय लगातार सुनाई देती थी। नींद टूटी और मैं कुछ चौंककर उठ बैठा। खिड़की के पास गया। जब बिजली चमकती तो ब्रह्मपुत्र की जलधारा कौंध उठती। मैं काफ़ी देर तक खिड़की के पास खड़ा रहा। सोचता रहा कि मैं तो संयोग से अभी ब्रह्मपुत्र के किनारे हूँ-- उसमें बिजली, बादल और हवा की आँख मिचौनी देख-सुन रहा हूँ।

लेखक की उस दिन की डायरी कल्पना करके लिखें जिस दिन गुवाहटी के हॉटल में ठहरते समय तेज़ बारिश हुई थी।

- बच्चे अनुच्छेद का वाचन करें तथा आशय समझें।
- आप आवश्यक मदद दें।
- वैयक्तिक रूप से डायरी लेखन करने का निर्देश दें।

➢ **'मोहन राकेश की डायरी' की ओर बच्चों का ध्यान आकर्षित करें और प्रश्न करें–**

- ➲ किस प्रकार की घटनाओं को मोहन राकेश ने अपनी डायरी में स्थान दिया है?
- ➲ 'दृश्य का दूसरा ऐक्ट उतना नहीं जंचा' वाक्य द्वारा मोहन राकेश ने किस घटना का मूल्यांकन किया है?

- ‘क्या मेरी भी पटरी छूट गई है?’ और ‘आज न जाने कैसा दिन था?’ आदि वाक्यों में मोहन राकेश के किस मनोभाव का संकेत है?
- तो डायरी में किन-किन बातों का समावेश होता है?

➢ **चर्चा करके डायरी लेखन की विशेषताओं को निकालें और सूचीबद्ध करें।**

- डायरी में मुख्य घटनाओं का ही जिक्र हो।
- प्रत्येक घटना मन को किस प्रकार/कैसे प्रभावित किया- इसकी सूचना हो।
- घटनाओं पर अपना दृष्टिकोण/मूल्यांकन किया हो।
- भाषा आत्मनिष्ठ हो।
- डायरी पर तारीख डाला जाए।

➢ **अब बच्चों को स्वयं लिखी डायरी का पुनरवलोकन करने को कहें। यह निर्देश दें कि जहाँ जहाँ परिमार्जन की आवश्यकता महसूस हो रही है, वहाँ पेंसिल से रेखांकित करें।**

- पाँच-पाँच सदस्यों के दल में विचार-विनिमय करने का मौका दें।
- दलों में डायरी परिमार्जन करके लिखने को कहें।
- दलों की ओर से प्रस्तुतीकरण करवाएँ।
- टीचर वेर्शन प्रस्तुत करें।
- किसी एक डायरी का संशोधन कार्य चलाएँ।
- बाकी डायरियों को दलों में हस्तांतरण करें और संशोधन करवाएँ।

➢ **वैयक्तिक निर्धारण का अवसर देने के लिए यह चार्ट प्रस्तुत करें और या चिह्न लगाने को कहें–**

• यह डायरी मैं अच्छी तरह लिख सका	☐
• मेरी डायरी को परिमार्जन करना पड़ा	☐
• डायरी लेखन में मुझे मित्रों की मदद लेनी पड़ी	☐
• डायरी की विशेषताएँ समझ सका	☐

➢ **अन्य प्रसंगों को अनुबद्ध कार्य के रूप में दें।**

- ➲ पहली तनख्वाह मिले दिन की कलाम की डायरी।
- ➲ शिवसुब्रह्मण्य के आशीर्वाद के दिन कलाम की डायरी।
- ➲ नया हार मिले दिन की माया की डायरी।

4.कहानी

बच्चों को यह कहानी पढ़ने को दें–

एक थाल चाँद भरा...

वह ठंड का एक दिन था। मैं रामसिंह के आँगन में बैठा अलाव ताप रहा था। उसके तीनों बच्चे वहीं पास में खेल रहे थे। उन्हें भूख लग रही थी सो बीच-बीच में गाते जाते थे, ''माँ खाना दे, माँ खाना दे।'' माँ रामसिंह के आने की बाट जोह रही थी। वह बोली, ''रुक जाओ। तुम्हारा बाबा गट्ठा बेचने शहर गए हैं। वह कुछ लाएँगे। उसीसे से खाना बनेगा। घर में कुछ नहीं है।'' बच्चे फिर खेल में लग गए। भूख तेज़ लगी तो, ''माँ खाना दे, माँ खाना दे'' तेज़-तेज़ और जल्दी-जल्दी गाने लगे। माँ पसोपेश में सोचने लगी, 'करें तो क्या करें?'

बच्चों का ध्यान बँटे, यह सोचकर माँ ने कहा, ''आँगन में पट्टी बिछाओ और थाली लेकर बैठ जाओ।'' माँ की यह तरकीब भी बहुत देर तक काम न आई। तब तक बच्चे अधीर होकर थाली बजाते हुए गाने लगे थे, ''माँ खाना दे, माँ खाना दे।'' माँ अंदर गई और सुबह के खाने की हाँड़ी खुरचने लगी। फिर बाहर आकर बारी-बारी से तीनों थालियों में थोड़ी-थोड़ी खुरचन परोस दी। तीसरी थाली में लगभग कुछ न था। बच्चा बोला, ''माँ दे ना?'' माँ बोली, ''दिया तो, खा ना?'' बच्चा बोला, ''क्या खाऊँ? पूरी थाली में तो चंदा चमक रहा है।'' माँ रुआँसी हो बोली, ''क्या दूँ? तू तो चंदा को ही खा ले।''

माँ झोंपड़ी के पीछे जा रोने लगी और आसमान में चंदा यह सब देखता रहा।

(अलाव तापना - തീ കായുക , बाट जोहना - प्रतीक्षा करना, गट्ठा - लकड़ी, पसोपेश - ആശയക്കുഴപ്പം , ध्यान बँटना - ശ്രദ്ധ തിരിയുക, तरकीब - സൂത്രം , खुरचना - ചുരണ്ടുക)

- वाचन प्रक्रिया चलाएँ।

➢ **कहानी का विश्लेषण करने के लिए ये प्रश्न करें–**

- ➲ कहानी का आशय क्या है?
- ➲ इस कहानी की मुख्य घटनाएँ कौन-कौन सी हैं?
- ➲ ये कहाँ घटित होती हैं?
- ➲ इस कहानी से किस मौसम की सूचना मिलती है?
- ➲ किन-किन वाक्यों के ज़रिए कहानी के समय का बोध मिलता है?
- ➲ कहानी के पात्र कौन-कौन हैं?
- ➲ माँ और तीसरे बच्चे के बीच के वार्तालाप को चुनकर पूर्ति करें

  .....

  .....
- ➲ बच्चों द्वारा खाना माँगने पर माँ क्या सोचती है?
- ➲ इस कहानी की चरम सीमा(climax) क्या है?
- ➲ इसमें किन-किन प्रकार के वाक्यों का समावेश है?
- ➲ क्या इसमें कोई मुहावरा प्रयुक्त है?
- ➲ किस वाक्य के ज़रिए कहानी को प्रकृति से जोड़ा गया है?
- ➲ इस कहानी के शीर्षक पर आपका विचार क्या है?
- ➲ इस कहानी के लिए और क्या-क्या शीर्षक दे सकते हैं?
  - बच्चों से लिखे शीर्षक सूचीबद्ध करें।
  - चर्चा चलाएँ और बेहतर शीर्षक का चयन करवाएँ।

➢ **प्रश्न करें--**

- इस शीर्षक को आप क्यों अच्छा मानते हैं?
- इसमें कहाँ-कहाँ किन-किन प्रकार के चिह्नों का प्रयोग है?

➢ **अब बच्चों से कहानी की विशेषताओं पर चर्चा चलाएँ–**

- तो कहानी लिखते समय किन-किन बातों पर ध्यान देना है?
- चर्चा के ज़रिए कहानी तैयार करते समय ध्यान देने की बातें चार्ट पर सूचीबद्ध करें--

- कहानी से समय/मौसम का बोध हो।
- कहानी घटित होने की पृष्टभूमि का जिक्र हो।
- आवश्यक पात्रों का समावेश हो।
- घटनाओं में आपसी संबंध हो।
- पात्रों के संवाद/विचार आदि जोड़ा जाए।
- भाषा रोचक हो।(मुहावरेदार भाषा/विविध प्रकार के वाक्य...)
- प्रकृति से कहानी को जोड़ा गया हो।
- विराम चिह्नों का उचित प्रयोग हो।
- उचित शीर्षक दिया हो।

➢ **अब बच्चों को यह वर्कशीट दें–**

संकेतों के आधार पर कहानी लिखें...

- एक कुम्हार, बूढ़ी माँ, पत्नी और बच्चा
- बूढ़ी माँ और बहू के बीच झगड़ा
- अलग-अलग झोंपड़ी में रहना
- बूढ़ी माँ का रोज़ मटका लेकर खाना लेने बहू के पास आना
- निराश कुम्हार
- बच्चे को उपाय सूझना
- एक दिन नया मटका बनाना
- अपनी माँ के पूछने पर बच्चे का यह कहना कि यह मटका माँ के लिए है।
- कुम्हार की पत्नी को अपनी गलती समझना

- वैयक्तिक लेखन के लिए 10 मिनट का समय दें।
- समय पूरा होने पर वाचन करने के लिए और 2 मिनट दें।
- वाचन करते समय जिस परिमार्जन की ज़रूरत महसूस होती है वह बगल में लिखने को कहें।

- कहानी की विशेषताओं के आधार पर अपनी कहानी का स्वयं निर्धारण करने का निर्देश दें। इसके लिए प्रक्रिया के दौरान चार्ट पर सूचीबद्ध बिंदुओं को दिखाएँ।
- जहाँ-जहाँ परिमार्जन की आवश्यकता है, वहाँ रेखांकित करने को कहें।
- अब कहानी का पुनर्लेखन करने को कहें।
- दलों में आशयों का लेन-देन करने दें।
- प्रत्येक दल से बिंदुओं के आधार पर सबसे अच्छी कहानी का चयन करवाएँ और कक्षा में पेश करें।
- टीचरवेर्शन प्रस्तुत करें।
- संशोधन कार्य चलाएँ।
- कहानी तैयार करने के लिए अन्य प्रसंग अनुबद्ध कार्य के रूप में दें।

➢ **जैसे :**

- एक अमीर आदमी
- बाज़ार जाया करना
- एक जोड़ा लाल रंग का सुंदर जूता खरीदना
- गाँव के चमार से अलग रंग के तीन जोड़े और बनाने को कहना
- जूते बन जाने पर गुणवत्ता में अंतर देखकर चमार निराश
- पत्नी को उपाय सूझना
- लाल रंग का एक और जोड़ा बनाना
- चारों जोड़े साथ-साथ दिखाना
- अमीर का खुश होकर उपहार देना

5.निबंध

यह वर्कशीट बच्चों को दें--

सिंहासन खाली करो कविता गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश के नए शासकों को कवि की दी हुई चेतावनी है। इन संकेतों के आधार पर गणतंत्र दिवस के महत्व पर निबंध लिखें...

- सदियों की गुलामी
- आज़ादी की लड़ाई
- देश के लिए लोगों का बलिदान
- स्वतंत्रता की प्राप्ति
- अधिकार जनता के हाथ में
- गणतंत्र दिन का आरंभ
- संसार का सबसे विशाल जनतंत्र

➢ **प्रश्नों के ज़रिए चर्चा चलाएँ और उभरते मुख्य बिंदुओं को सूचीबद्ध करें–**

- स्वतंत्रता के पहले भारत किन-किन विदेशियों के शासन में रहा?
- विदेशी शासन के समय जनता की हालत कैसी थी?
- भारत के स्वतंत्रता संग्राम के बारे में आप क्या-क्या जानते हैं?
- स्वतंत्रता की प्राप्ति कब हुई?
- भारत का संविधान कब से लागू हुआ?
- जनवरी छब्बीस को गणतंत्र दिवस के रूप में चुनने का क्या कारण है?
- भारतीय जनतंत्र की क्या विशेषता है?

➢ **बच्चों से कहें–**

- भारतीय गणतंत्र की कुछ विशेषताएँ हमने समझ ली हैं। इन्हें निबंध में कैसे जोड़ेंगे?
- निबंध की शुरूआत कैसे करेंगे?
- वैयक्तिक रूप से शूरूआत लिखने का निर्देश दें।

- दलों में विचार विनिमय का अवसर दें।
- दलों की ओर से प्रस्तुतीकरण करवाएँ।

➢ **आप पूछें--**

- बिंदुओं का विश्लेषणात्मक अंश कैसे लिखेंगे?
- चर्चा चलाएँ और अगला अनुच्छेद लिखने का निर्देश दें।
- दो-एक छात्रों से प्रस्तुतीकरण करवाएँ।

➢ **आप प्रश्न करें–**

- इस निबंध को कैसे समाप्त करेंगे?
- चर्चा के बाद वैयक्तिक रूप से उपसंहार लिखने का निर्देश दें।
- अपने-अपने निबंध को उचित शीर्षक भी लिखने का निर्देश दें।
- हस्तांतरण करके मूल्यांकन करने का निर्देश दें।

➢ **आप प्रश्न करें–**

- निबंध की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?
- चर्चा के ज़रिए बिंदुओं को समझाएँ।
  - निबंध की भूमिका उचित है
  - बिंदुओं का विश्लेषण किया है
  - उपसंहार का तरीका अच्छा है
  - आशयों की अभिव्यक्ति में स्पष्टता है
  - उचित शीर्षक दिया है
- दलों में पूरे निबंध पर विचार-विनिमय होने दें।
- दलों की ओर से आवश्यक परिमार्जन करवाएँ।
- प्रत्येक दल प्रस्तुत करें।
- टीचर वेर्शन प्रस्तुत करें।
- संशोधन कार्य चलाएँ।

अनुबद्ध कार्य के रूप में अन्य विषय दें। जैसे,

- हमारा देश कविता के आधार पर ग्रामीण और शहरी जीवन की तुलना।
- स्वार्थी एवं व्यक्तिवादी मानव पर निबंध।
- भारत के त्योहारों में समानता।

6.साक्षात्कार

आप प्रश्न करें...

वार्तालाप और साक्षात्कार में क्या अंतर है?

साक्षात्कार की विशेषताओं को समझाने के लिए, साक्षात्कार- 'वही बड़ा लेखक' पर चर्चा चलाएँ--

- इस साक्षात्कार के प्रश्नों में किस प्रकार के विशेष शब्दावली प्रयुक्त हैं?
- बच्चों को साक्षात्कार पढ़कर प्रश्नों की विशेषताएँ जाँचने का मौका दें।
- बच्चों से कहलवाएँ और आप चार्ट पर सूची बद्ध करें।
- अब साक्षात्कार के उत्तरों पर चर्चा चलाने के लिए प्रश्न करें--
- उत्तरों की क्या विशेषता है?
- क्या केवल प्रश्न का सीधा उत्तर है/नहीं देते हैं?
- प्रश्नों से संबंध रखने वाली और बातों की जिक्र हैं क्या?

➢ **तो साक्षात्कार के प्रश्न और उत्तर में क्या-क्या विशेषताएँ होनी चाहिए?**

- चर्चा के दौरान बच्चों से विशेषताएँ निकालें और चार्ट पर सूचीबद्ध करें--

- अकसर प्रश्नकर्ता कुछ प्रस्तावना करता है तथा उसपर साक्षात्कार किए जाने वाले व्यक्ति का दृष्टिकोण प्रकट करने लायक प्रश्न करता है।
- इसके लिए प्रश्न-संरचना में कुछ ऐसे विशेष पदावली प्रयुक्त करता है। जैसे, कैसे महसूस कर रहा है?/आप की क्या राय है?/ क्या आप सहमत है?/ आपकी प्रतिक्रिया क्या है?/ किससे प्रभावित हुआ है?/
- उत्तर केवल सीधा/है/नहीं में सीमित नहीं होता बल्कि उससे संबंधित बातों की भी जिक्र होती है।

यह वर्कशीट बच्चों को दें

श्री प्रदीप पंत मेघालय की यात्रा करके आए हैं। मेघालय के अनुभवों के संबंध में एक पत्रकार उनका साक्षात्कार लेता है। वह साक्षात्कार कल्पना करके लिखें...

- मेघालय की प्रकृति
- मेघालय के लोग
- पारिवारिक व्यवस्था
- स्त्रियों का वर्चस्व
- चेरापूँजी
- पर्व-उत्सवों की विशेषताएँ

- संकेतों पर छोटी-सी चर्चा चलाएँ ताकि बच्चों का ध्यान उनपर केंद्रित हो जाए।
- वैयक्तिक रूप से लिखने के लिए 10 मिनट का समय दें।
- अपने से लिखे साक्षात्कार को स्वयं पढ़ने के लिए 2 मिनट और दें।
- दो-एक छात्र प्रस्तुत करें।
- पाँच-पाँच सदस्यों का दल बनाएँ और दलों में विचार-विनिमय होने दें।
- आवश्यक परिमार्जन करके पुनर्लेखन करें।
- प्रत्येक दल अपनी उपज को दूसरे दलों में हस्तांतरण करें।
- सूचीबद्ध बातों के आधार पर निर्धारण करें।
- प्रत्येक दल मिले साक्षात्कार प्रस्तुत करें साथ ही खूबियों और कमियों पर सूझाव रखें।
- टीचरवेर्शन प्रस्तुत करें।
- संशोधन कार्य चलाएँ।

➢ **अनुबद्ध कार्य के रूप में अन्य प्रसंग दें।**

- ➲ स्वार्थी एवं व्यक्तिवादी मानव की विशेषताओं पर कवि श्री.जगदीश चंद्र जीत से किसी पाठक का साक्षात्कार।
- ➲ श्री प्रदीप पंत मणिपुर की राजधानी इम्फाल के माईती बाज़ार के संबंध में जानने के लिए एक महिला का साक्षात्कार लेते हैं। वह साक्षात्कार कल्पना करके लिखें...
  - माँ का बाज़ार
  - दोपहर के पहले ही स्त्रियों का आगमन
  - दिन भर की बिक्री और शाम को घर लौटना
  - वर्गभेद का अभाव
  - मणिपुर में हर जगह
  - संस्कृति का अंग